

आशा आर्वाइव्स
ASHA ARCHIVES

3026

बाल एपिग्राफ

नानसिद्धस्य सर्वव्यापाडुकं व ॥ ॥ कव
चैवासदवस्य ऊपर्थतिसूनित्यस । न
रुयनवदात्रिद सर्वव्याधिविनाशनं ॥
विद्यार्थी लरुत विद्या धनार्थी लरुत ध
नं । कैन्यार्थी लरुत कैन्या माकार्थी ल

रुत गतिं ॥ अग्र्यार्थी लरुत अग्र्य
लरुत अग्र्य । कामार्थी लरुत कामं वि
प्लूनी कैसगच्छति ॥ अग्र्यार्थी लरुत अग्र्य
द नामात्रात्र लरुत लरुत । नस्यैतिसक
लात्राग्र्य सत्य सत्य वदाम्यहं ॥ अग्र्यार्थी

शोपदीविष्णु दूतपादिमहेश्वर । पंचेता
समननित्य व्याधिंतस्य निवात्रय ॥

॥ ॐ तिथी विष्णुधर्मोक्तं विष्णुपंज
नकाणसमापकं ॥ ॥ सं १७७५ माघकृष्ण १४ वृक्षवा २७ ॥

२ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्ण कवचं व
श्री कृष्ण विजय युद्धं ॥ का ता नं य थिद
१ ग व सदा नक्ष क रं नृ लं ॥ १ ॥ सुखा
नी लांबु द श्म म नी ल क चित क क लं
॥ व हि वे हा सं भो लि ग न च न्द नि रा न न
॥ २ ॥ ना जी व लो च नं ना ज क्ष लू ना द वि श न द ॥ दी

अर्धपीनमहाबाहुः श्रीवत्सं कितवकसं ॥३॥ वीगो
वने धने दवे ॥ ॐ ॥ ॐ यो कलसविते ॥
त्रिकीलीसत्यलामात्यां संहितोरुयवा
वके ॥ ४ ॥ हलात्रहत्र ॥ ॐ शुक्रं कृष्ण
बालवदितं ॥ अथ नित्यमिमं रुक्म
उसर्वार्थसिद्धय ॥ ५ ॥ वसुदेवः सुत

॥ या तु मदी नममसर्वदः ॥ ललाटद्व
वकी सुने सुर्वो ॥ ॐ यो लने नने ॥ ६ ॥ न
यनयुत नादेता ना ॥ ७ ॥ कतरं जन
धयमला नरित्के ॥ ८ ॥ कया लोना
गमई नः ॥ ९ ॥ दंताने ॥ १० ॥ यस्तु या तु
जिह्वा हं यमयप्रियं ॥ अष्टननक

जि त्याहु अ धन को गि का नू ज ॥ ६ ॥ चि वु के
याहु एम वि द्या वल द या नू जा मूर व ॥ अ कु
न स हि तं क लु व द या या लु दा कु तु ॥ ७ ॥
तु जी चा नू न व नी म क न क स वि ना म
न ४ उ द न म थु ना ना (थ) ना रि द्वा न व
नी य ती ॥ १० ॥ त्र कि ला व ल ह ४ वृ वृ

१ ऊ या न गि लु या ल दा ॥ उ त्र या लु व दू गा
म जा नू नी या र्थ सा न थि ॥ ११ ॥ वि ष्व त्र व
४ ना ऊ द य य द ह मि ला न ह त ॥ च न
ली या द य ४ वा तु वा तु ४ क वी रि व ल
व य ४ ॥ १२ ॥ दि वा या तु उ ग ना (थ) ना जी
ना ना य ल ४ स द ॥ क र्त्त ४ क म ला की

ASHA ARCHIVES

3026

Handwritten text in red ink, enclosed in a rectangular border. The text is in Devanagari script and appears to be a list or a series of names.

Handwritten text in red ink, located to the right of the red-bordered text. It includes a date and some other information.

Handwritten text in black ink, located below the red-bordered text. It appears to be a continuation of the list or a separate entry.

Handwritten text in black ink, located on the bottom page of the manuscript. It includes a date and some other information.

ASHA ARCHIVES

3026

महाभारत

पुस्तक

७६

महाभारत
पुस्तक

॥ रुदयं मधुसूदन ॥ १३ ॥ ॐ दं कृष्णवत्सा
 पदे ॥ ४४ ॥ कृष्णकवचं प० ॥ सर्वतस्तुत्यान्म
 कः कृष्णसायुश्च मापूयात् ॥ १४ ॥ कृष्णायवा
 सुद वा सुद वायः स्नानमूद्राय ऊगिनः । नाथ
 यत्रुक्मिनीसायः श्रीगणविद्याय नमः ॥ १५ ॥
 ॥ ॥ ॐ तिथीपद्मपूजा ॥ श्रीकृष्णकवचं समाप्तं ॥ ॥

॥ ३८ ॥

॥ नमस्तु गवतं वा सुद वाय ॥ ॥ बुद्ध्या वाच ॥
 विष्णुपंक्तं कदिवी सर्वदूषणनिवातनी ।
 उग्रतंतामहावीर्यं सर्वदुष्टनिर्हर्तनं
 ॥ विष्णुपदगन्धकामन बुद्ध्या ॥ ॐ ॥
 हर्तनं । नमस्तु सर्वव्यामि आत्मानका

सदारुवंत ॥ पादोत्रकतु (गमविंदा ऊँ
घाँ ~~घाँ~~ विविक्कम । उत्रर्या कं हा वान
के घाँ चै वज नार्दन ॥ नारो उत्रश
गात्रकं कुं घाँ उवा मनस्तथा । उदरपद्म
नारुस्थ रुनिपुष्टचनकतु ॥ वामबा (घाँ

तताविष्णु दक्षि (गमवृत्तदन ४। वारु
घाँ वासुदवस्थ द्दयस्थज नार्दन ४॥ कं
रक उवा नारु कृष्णस्थमुखमीतल ।
माधवकलुषात्रकं दृषीकं हा स्थ नासि
की ॥ नरुना नाय (गमवृत्त ललाटे गत्र

उधऊ। कपालकणसंस्थाने वेनतय
 धऊप्रउ॥ श्रीवत्ससर्वगमरुषूत्रकम
 पूरुषात्मस। पूर्वउपू उनीकारक आ
 (गुयीश्रीधनरुथा॥ दक्षि (नानासिंह
 स्व नेत्रिपीउदाभादन४। पूरुषात्मसु

स
 र
 र

वात्रै आ वायशी पीतवासक४॥ गदाध
 नमुकोवय्यां ईश्वमीशानतादिजि४।
 प्रातालेषुगदानकृत आका (शरवस
 दर्शन४॥ सनि (क्षेसर्वगमरुषू प्रविष्ट
 विष्णुपंजनै। विष्णुपंजनविष्टाह विव

६

नामिमही तले ॥ नाऊद्वारे प (०) धात्रे स
ग्राममहागुरुसंकट । नदी घातन (०) वेव वा
यवो नरुयंतथा ॥ अग्निदग्धनिपातपू
रुतग्रह विनाशन । दाकिनीरुतपुतख
रुयनासिकदावन ॥ नक नकमहादव

नक नकमहस्वेन ४ । नक उ सर्वदुवास्व
वस्माविष्णुमहस्वेन ४ ॥ दिवानकसूर्या
मा नाशो नक उ चंद्रमा । सदेव नक ती
विष्णु सर्वस्मानऊनार्दन ४ ॥ जलनक
उवा नाह स्तलनक उवा मन ४ । अटवा

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

3026

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥